DR. SHAMBHU KUMAR RAM
Deptt of History
B.A. Part ——— I
Paper ——— II (Hons)
Shambhu.bhibu@gmail.com
8294392191

प्रथम एवं द्वितीय जार्ज के शासन का संवैधानिक महत्व : —I

सन 1688 ई० की गौरवपूर्ण क्रान्ति के बाद इंगलैंड के विधान में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ। रानी ऐन की मृत्यु के बाद सोफिया का पुत्र जार्ज प्रथम के नाम से सन 1714 ई० में इंगलैंड का राजा हुआ। इस तरह से इंगलैंड में गणतंत्र की स्थापना का प्रयास किया गया। क्योंकि वहाँ एक नये राजवंश का पादुर्भाव हुआ था। किन्तु कुछ कारणों से उस समय इंगलैंड में गणतंत्र की स्थापना तो नहीं हो सकी थी, किन्तु इसके लिए रास्ता बन कर तैयार हो गया था। उस काल के सबसे महत्वपूर्ण बात तो यह थी कि वहाँ वैधानिक व्यवस्थाओं की स्थापना हो चुकी थी। इस व्यवस्था के मंत्रिमंडल (cabinet) सबसे प्रमुख अंग था और आगे चलकर शासन विधान का नियंत्रण इसी के हाथ में आ गया।

(1) मंत्रिमंडल का विकास :-
मंत्रिमंडल प्रथा के विकास में जार्ज प्रथम का शासनकाल सुनहला अवसर माना जाता था। जार्ज प्रथम जर्मनी का रहनेवाला था। इसलिए वह अंग्रेजी भाषा को खुब अच्छी तरह नहीं जानता था। वह अपने मंत्रियों के साथ टूटी फूटी लैटिन भाषा में ही बात चित किया करता था।